Daily Current Affairs - 04-03-2022

Important News: World

1. UNGA ने यूक्रेन में रूसी आक्रमण की निंदा करने वाला प्रस्ताव पारित किया

चर्चा में क्यों?

- **संयुक्त राष्ट्र महासभा (UNGA)** ने यूक्रेन में रूसी हमले की निंदा का प्रस्ताव पारित किया और रूस को तत्काल यूक्रेन से अपनी सेनाएं हटाने को कहा है।

प्रमुख बिंदु

- मतदान के लिए प्रस्ताव आया जिसमें 141 सदस्यों ने मतदान किया और पांच सदस्यों ने इसके खिलाफ मतदान किया।
- भारत और 34 अन्य देश मतदान से अनुपस्थित रहे।
- यूक्रेन में चल रहे रूसी सैन्य अभियानों के बीच सुरक्षा परिषद द्वारा संयुक्त राष्ट्र महासभा का आपातकालीन सत्र बुलाया गया था। 1997 के बाद पहली बार 193 सदस्यीय संयुक्त राष्ट्र महासभा का आपातकालीन सत्र बुलाया गया है।

नोट:

- UNGA का प्रस्ताव हाल ही में 15 देशों की सुरक्षा परिषद में परिचालित किए गए प्रस्ताव जैसा ही था।
- संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का प्रस्ताव, जिसके पक्ष में 11 वोट मिले और तीन अनुपस्थित रहे, स्थायी सदस्य रूस द्वारा अपने वीटो का प्रयोग करने के बाद अवरुद्ध कर दिया गया।

स्रोत: न्यूज़ऑनएयर

2. मोंट्रेक्स कन्वेंशन

चर्चा में क्यों?

- यूक्रेन पर रूस के युद्ध के जवाब में तुर्की **'मोंट्रेक्स कन्वेंशन'** को लागू करने को तैयार है।

प्रमुख बिंदु

- तुर्की के विदेश मंत्री मेवलुत कैवुसोग्लू ने कहा कि यूक्रेन में स्थिति एक युद्ध बन गई है, एक घोषणा जो तुर्की को मोंट्रेक्स कन्वेंशन को सक्रिय करने और रूसी युद्ध जहाजों को बोस्पोरस और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य के माध्यम से काला सागर में प्रवेश करने पर प्रतिबंध लगाने के लिए अधिकृत करती है।

बोस्पोरस और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य:

- बोस्पोरस और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य, जिसे तुर्की जलडमरूमध्य या काला सागर जलडमरूमध्य के रूप में भी जाना जाता है, एजियन सागर और काला सागर को मरमारा सागर से जोड़ते हैं।
- यह एकमात्र मार्ग है जिसके माध्यम से काला सागर में मौजूद बंदरगाह से भूमध्यसागरीय और उससे आगे अन्य बंदरगाहों तक पहुँचा जा सकता है।

मोंट्रेक्स कन्वेंशन के बारे में:

- इस पर ऑस्ट्रेलिया, बुल्गारिया, फ्रांस, ग्रीस, जापान, रोमानिया, यूगोस्लाविया, यूनाइटेड किंगडम, सोवियत संघ और तुर्की द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे और यह नवंबर 1936 से प्रभावी हुआ था।

byjusexamprep

- तुर्की का बोस्पोरस और डार्डानेल्स जलडमरूमध्य दोनों पर नियंत्रण है।
- युद्ध की स्थिति में, संधि तुर्की को नौसैनिक युद्धपोतों के पारगमन को विनियमित करने और संघर्ष में शामिल देशों से संबंधित युद्धपोतों के लिए जलडमरूमध्य को अवरुद्ध करने का अधिकार देती है।

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

3. पांचवीं संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, **पांचवीं संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEA-5)** सतत विकास लक्ष्यों (SDG) को प्राप्त करने के लिए प्रकृति के लिए कार्यों को मजबूत करने के लिए 14 प्रस्तावों के साथ नैरोबी में संपन्न हुई।
- UNEA-5 का विषय "सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रकृति के लिए कार्यों को मजबूत करना" था।
- असेंबली के बाद "UNEP@50", UNEP की 50वीं वर्षगांठ को चिह्नित करने वाले असेंबली का दो दिवसीय विशेष सत्र होगा।

प्रमुख बिंदु

- संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा ने दुनिया भर में प्रदूषण पर अंकुश लगाने, प्रकृति की रक्षा करने और उसे बहाल करने के लिए 14 प्रस्तावों के साथ निष्कर्ष निकाला।

- पर्यावरण के लिए दुनिया के मंत्रियों ने प्लास्टिक प्रदूषण को समाप्त करने के लिए एक अंतरराष्ट्रीय कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता करने के लिए एक अंतर सरकारी वार्ता समिति स्थापित करने पर सहमति व्यक्त की।
- 2015 के पेरिस समझौते के बाद से यह सबसे महत्वपूर्ण पर्यावरणीय बहुपक्षीय समझौता था।

नोट:·

- इससे पहले, भारत ने 2019 में आयोजित चौथी संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा (UNEP) में एकल उपयोग प्लास्टिक उत्पाद प्रदूषण से निपटने के लिए एक प्रस्ताव पेश किया था, जिससे इस मुद्दे पर वैश्विक ध्यान आकर्षित हुआ।
- भारत ने प्लास्टिक कचरा प्रबंधन (संशोधन) नियम, 2022 की घोषणा की थी, जिसने प्लास्टिक पैकेजिंग के लिए विस्तारित निर्माता उत्तरदायित्व (EPR) पर निर्देशों को अधिसूचित किया था।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण सभा के बारे में:

- सभा 193 संयुक्त राष्ट्र सदस्य राज्यों से बनी है और वैश्विक पर्यावरण शासन को आगे बढ़ाने के लिए हर दो साल में आयोजित होती है।
- यह संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (UNEP) का शासी निकाय है।

स्रोत: बिजनेस स्टैंडर्ड

4. वेल्थ रिपोर्ट 2022: विश्व स्तर पर अरबपतियों की आबादी में भारत तीसरे स्थान पर

Billionaires	2021	2020-21
US	748	15%
Chinese mainland	554	32%
India	145	24%
Germany	136	14%
Russia	121	20%

Source: Knight Frank Wealth Sizing Model

चर्चा में क्यों?

- नाइट फ्रैंक के नवीनतम संस्करण **वेल्थ रिपोर्ट 2022 (16वां संस्करण)** के अनुसार, 145 अरबपतियों के साथ, भारत में अमेरिका और चीन के बाद विश्व स्तर पर तीसरी सबसे अधिक अरबपति आबादी है।

प्रमुख बिंदु

- अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (UHNWI) की संख्या वैश्विक स्तर पर 2021 में 9.3% बढ़ी।
- अगले पांच वर्षों में, नाइट फ्रैंक ने भविष्यवाणी की है कि वैश्विक UHNWI की आबादी में और 28% की वृद्धि होगी।
- भारत में, 30 मिलियन डॉलर (226 करोड़ रुपये) या उससे अधिक की शुद्ध संपत्ति वाले अल्ट्रा-हाई नेट वर्थ इंडिविजुअल्स (UHNWI) की संख्या में 2021 में 11% की वृद्धि हुई। यह एशिया प्रशांत में उच्चतम प्रतिशत वृद्धि है।
- सबसे अधिक संख्या में UHNWI के साथ मुंबई सबसे आगे 1,596 के साथ, उसके बाद हैदराबाद 467, पुणे 360, बेंगलुरु 352, कोलकाता 257, दिल्ली 210, चेन्नई 160 और अहमदाबाद 121 है।

नोट: वेल्थ रिपोर्ट नाइट फ्रैंक का प्रमुख वार्षिक प्रकाशन है, जो वैश्विक धन, प्रमुख संपत्ति और निवेश पर एक अद्वितीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करता है।

स्रोत: TOI

Important News: India

5. संयुक्त राष्ट्र के 2030 एजेंडे के रूप में अपनाए गए 17 SDG लक्ष्यों में भारत तीन पायदान फिसलकर 120वें स्थान पर: रिपोर्ट

चर्चा में क्यों?

- सेंटर फॉर साइंस एंड एनवायरनमेंट की स्टेट ऑफ इंडिया एनवायरनमेंट रिपोर्ट, 2022 के अनुसार, भारत 2015 में 192 संयुक्त राष्ट्र के सदस्य राज्य द्वारा 2030 के एजेंडे के एक भाग के रूप में अपनाए गए 17 सतत विकास लक्ष्यों (SDG) पर तीन पायदान फिसलकर 120वें स्थान पर पहुंच गया। पिछले साल भारत 117वें स्थान पर था।

प्रमुख बिंदु

- नवीनतम रैंकिंग के साथ, भारत अब पाकिस्तान को छोड़कर सभी दक्षिण एशियाई देशों से पीछे है, जो 129वें स्थान पर है।
- भारत से आगे दक्षिण एशियाई देश भूटान 75वें, श्रीलंका 87वें, नेपाल 96वें और बांग्लादेश 109वें स्थान पर हैं।
- भारत का समग्र सतत विकास लक्ष्य (SDG) स्कोर 100 में से 66 था।
- भारत की रैंक मुख्य रूप से 11 SDG में प्रमुख चुनौतियों के कारण गिरी, जिसमें शून्य भूख, अच्छा स्वास्थ्य और भलाई, लैंगिक समानता और स्थायी शहर और समुदाय शामिल हैं।
- भारत ने गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और भूमि के पहलुओं पर जीवन के मामले में भी खराब प्रदर्शन किया।
- राज्य-वार तैयारियों पर, झारखंड और बिहार वर्ष 2030 तक SDG को पूरा करने के लिए सबसे कम तैयार हैं।
- केरल पहले स्थान पर रहा।
- केंद्र शासित प्रदेशों में चंडीगढ़ पहले स्थान पर रहा।

स्रोत: ET

6. महिला और बाल विकास मंत्री ने "स्त्री मनोरक्षा परियोजना" का शुभारंभ किया

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय महिला और बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति जुबिन इरानी ने **"स्त्री मनोरक्षा परियोजना"** का शुभारंभ किया।
- महिला और बाल विकास मंत्रालय एक से आठ मार्च, 2022 तक अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सप्ताह मना रहा है।

प्रमुख बिंदु

- NIMHANS बेंगलुरु के सहयोग से 'स्त्री मनोरक्षा परियोजना' शुरू की गई थी।
- इस परियोजना का उद्देश्य पूरे भारत में 6000 वन स्टॉप सेंटर (OSC) के अधिकारियों को मानसिक स्वास्थ्य प्रशिक्षण देना है।
- यह परियोजना मनोसामाजिक कल्याण पर जोर देगी और इसका उद्देश्य भारत में महिलाओं के मानसिक स्वास्थ्य में सुधार करना है।

महिला अधिकारिता योजनाएं:

- वन स्टॉप सेंटर (OSC) योजना
- महिला हेल्पलाइन योजना
- निर्भया फंड
- बेटी बचाओ बेटी पढाओ
- किरण योजना
- महिला ई-हाट
- महिला पुलिस डेस्क और मानव तस्करी रोधी इकाइयां
- नारी शक्ति पुरस्कार
- महिला शक्ति केंद्र

नोट: अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस प्रतिवर्ष 8 मार्च को मनाया जाता है।

स्रोत: PIB

7. भारत ने नई दिल्ली में क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र की स्थापना के लिए अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ के साथ मेजबान देश समझौते पर हस्ताक्षर किए

चर्चा में क्यों?

- अश्विनी वैष्णव, केंद्रीय संचार मंत्री और हौलिन झाओ, **अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU)** के महासचिव ने नई दिल्ली में ITU के एक क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र की स्थापना के लिए **मेजबान देश समझौते (HCA)** पर हस्ताक्षर किए।

प्रमुख बिंदु

- जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित होने वाले विश्व दूरसंचार मानकीकरण असेंबली -20 (WTSA -20) के दौरान एक आभासी समारोह में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए थे।
- WTSA सूचना और संचार प्रौद्योगिकी (ICTs) के मानकीकरण के लिए समर्पित ITU का चार वर्षीय वैश्विक सम्मेलन है।
- भारत ने 2024 में आयोजित होने वाले अगले WTSA की मेजबानी करने का प्रस्ताव दिया है।

नई दिल्ली में ITU का क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र:

- नई दिल्ली में ITU के क्षेत्रीय कार्यालय और नवाचार केंद्र से दक्षिण एशियाई देशों जैसे अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, ईरान, मालदीव, नेपाल, श्रीलंका और भारत की सेवा करने की उम्मीद है।
- मेजबान देश समझौता क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना और संचालन के लिए कानूनी और वित्तीय ढांचा प्रदान करता है।

नोट: भारत दूरसंचार मानकों के विकास की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है। भारत के भीतर विकसित 5Gi मानकों को अब ITU द्वारा 5G के लिए तीन तकनीकों में से एक के रूप में मान्यता दी गई है।

अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (ITU) के बारे में:

- ITU सूचना और संचार प्रौद्योगिकियों के लिए संयुक्त राष्ट्र की विशेष एजेंसी है।
- ITU में वर्तमान में 193 देशों और 900 से अधिक निजी क्षेत्र की संस्थाओं और शैक्षणिक संस्थानों की सदस्यता है।

स्रोत: PIB

byjusexamprep.com

8. पर्यटन मंत्रालय ने स्वदेश दर्शन पुरस्कार शुरू किए

चर्चा में क्यों?

- राज्य सरकारों, केंद्रशासित प्रदेश प्रशासनों और विभिन्न कार्यान्वयन एजेंसियों द्वारा किए जा रहे प्रयासों को महत्व देने के क्रम में, पर्यटन मंत्रालय ने विभिन्न श्रेणियों में **स्वदेश दर्शन पुरस्कारों** की शुरुआत की है।

प्रमुख बिंदु

- ये पुरस्कार योजनाबद्ध उद्देश्यों की उपलब्धि, अभिनव पहल, योजना, डिजाइन और संचालन में स्थिरता संबंधी सिद्धांतों को अपनाने, कुशल परियोजना निगरानी, आसपास के क्षेत्र के विकास में निजी निवेश को आकर्षित करने की क्षमता और मनोवांछित संचालन और रखरखाव आदि सुनिश्चित करने के लिए किए गए प्रयासों सहित सर्वोत्तम तौर-तरीकों को प्रदर्शित करेंगे।

नोट :

- पर्यटन मंत्रालय ने अपनी प्रमुख योजना 'स्वदेश दर्शन' के तहत भारत के 31 राज्यों / केंद्रशासित प्रदेशों में 5500 करोड़ रुपये से अधिक की 76 परियोजनाओं को मंजूरी दी है।
- इस योजना के तहत 500 से अधिक पर्यटन स्थलों पर पर्यटन संबंधी बुनियादी सुविधाओं का विकास किया गया है।

स्वदेश दर्शन योजना के बारे में:

- स्वदेश दर्शन योजना 2014-15 में पर्यटन और संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा थीम आधारित पर्यटन सर्किट के एकीकृत विकास के लिए शुरू की गई एक केंद्रीय क्षेत्र की योजना है।

स्रोत: PIB

byjusexamprep.com

Important News: Important Days

9. 4 मार्च, राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस

चर्चा में क्यों?

- **राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस** हर साल 4 मार्च को मनाया जाता है।

प्रमुख बिंदु

- राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस 2022 का **विषय** 'युवा दिमागों का पोषण-सुरक्षा संस्कृति विकसित करें' है।

इतिहास:

- राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस पहली बार 1972 में राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के स्थापना दिवस पर मनाया गया था।
- भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (NSC) की स्थापना 4 मार्च 1966 को श्रम और रोजगार मंत्रालय द्वारा की गई थी।
- परिषद का विजन और मिशन सुरक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण (SHE) अभियान को सफलतापूर्वक चलाना है।

स्रोत: इंडिया टुडे

byjusexamprep